Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-3 : नात्सीवाद और हिटलर का उदय

भाग-4

नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति

निर्मल सिंह



Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. वाइमर गणराज्य का जन्म
2. हिटलर का उदय
3. नात्सियों का विश्व दृष्टिकोण
4. नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति
5. आम जनता और मानवता के खिलाफ़ अपराध



Under CSR Support by ipca | Foundation

योग्यता आधारित शिक्षण (Competency)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नात्सीवाद के दौरान स्कूली शिक्षा

नात्सी शासन के प्रचार की कला



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

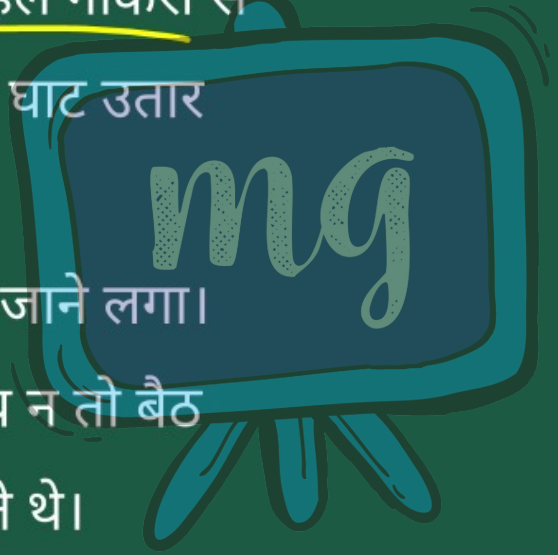
नात्सी जर्मनी में युवाओं की स्थिति

- हिटलर का मानना था कि एक शक्तिशाली नात्सी समाज की स्थापना के लिए बच्चों को नात्सी विचारधारा की घुट्टी पिलाना ज़रूरी है।
- इसके लिए स्कूल के भीतर और बाहर, दोनों जगह बच्चों पर पूरा नियंत्रण आवश्यक था।
- तमाम स्कूलों में सफ़ाए और शुद्धीकरण की मुहिम चलाई गई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यहूदी या 'राजनीतिक रूप से अविश्वसनीय' दिखाई देने वाले शिक्षकों को पहले नौकरी से हटाया गया और बाद में मौत के घाट उतार दिया गया।
- बच्चों को अलग-अलग बिठाया जाने लगा।
- जर्मन और यहूदी बच्चे एक साथ न तो बैठ सकते थे और न खेल कूद सकते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

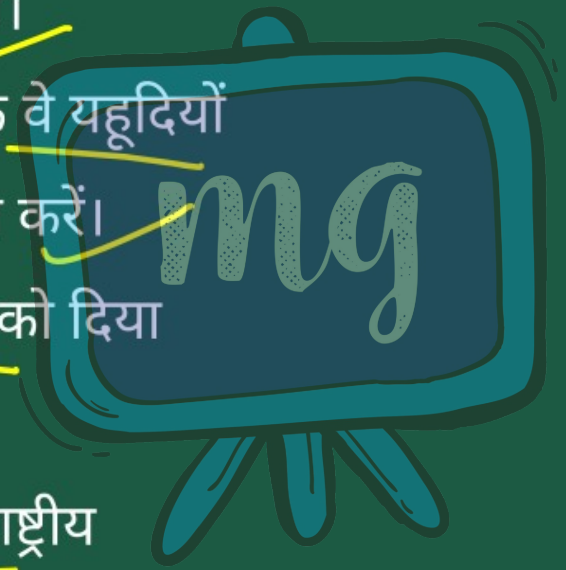
- ‘अवांछित बच्चों’ को यानी यहूदियों, जिप्सियों के बच्चों और विकलांग बच्चों को स्कूलों से निकाल दिया गया।
- चालीस के दशक में उन्हें भी गैस चेंबरों में झोंक दिया गया।
- ‘अच्छे जर्मन’ बच्चों को नात्सी शिक्षा प्रक्रिया से गुज़रना पड़ता था।
- स्कूली पाठ्यपुस्तकों को नए सिरे से लिखा गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नस्ल विज्ञान के नाम से एक नया विषय पाठ्यक्रम में शामिल किया गया।
- बच्चों को सिखाया जाता था कि वे यहूदियों से नफ़रत और हिटलर की पूजा करें।
- मुक्केबाज़ी का प्रशिक्षण बच्चों को दिया जाता था।
- जर्मन बच्चों और युवाओं को 'राष्ट्रीय समाजवाद की भावना' से लैस करने की ज़िम्मेदारी युवा संगठनों को सौंपी गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ 10 साल की उम्र के बच्चों को युंगफ़ोक में दाखिल करा दिया जाता था।



नए शब्द

युंगफ़ोक : 14 साल से कम उम्र वाले बच्चों के लिए नात्सी युवा संगठन।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

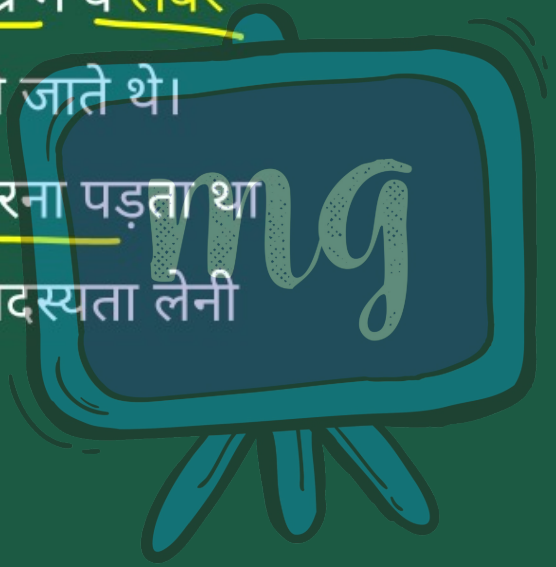
- 14 साल की उम्र में सभी लड़कों को नात्सियों के युवा संगठन हिटलर यूथ की सदस्यता लेनी पड़ती थी।
- इस संगठन से वे सीखते थे –
  - युद्ध की उपासना
  - आक्रामकता व हिंसा
  - लोकतंत्र की निंदा
  - यहूदियों, कम्युनिस्टों, जिप्सियों व अन्य अवांछितों से घृणा



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- गहन विचारधारात्मक और शारीरिक प्रशिक्षण के बाद लगभग 18 साल की उम्र में वे लेबर सर्विस (श्रम सेवा) में शामिल हो जाते थे।
- इसके बाद उन्हें सेना में काम करना पड़ता था और किसी नात्सी संगठन की सदस्यता लेनी पड़ती थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



यहूदी-विरोधी विषयों की पढ़ाई को
दर्शाता कक्षा का चित्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बाकी बच्चों की हँसी-ठिठोली के बीच यहूदी शिक्षक और यहूदी विद्यार्थियों को स्कूल से निकाला जा रहा है

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

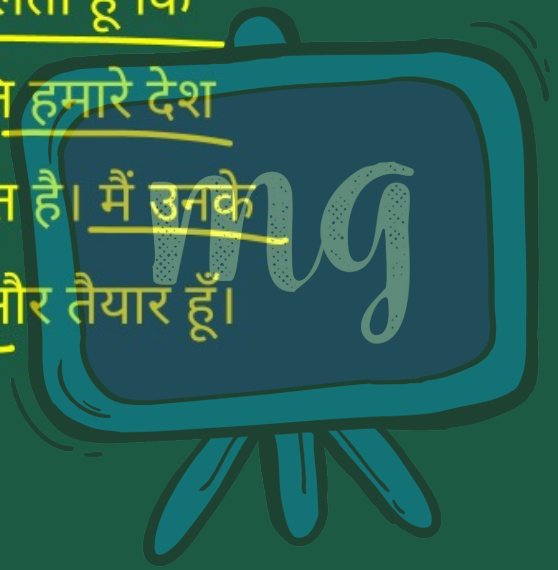
- 6 से 10 साल तक की उम्र के सभी लड़कों को नात्सी विचारधारा का शुरुआती प्रशिक्षण दिया जाता था।
- प्रशिक्षण के पश्चात् उन्हें हिटलर के प्रति निष्ठा की यह शपथ लेनी पड़ती थी-



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

‘हमारे फ़्यूहरर का प्रतिनिधित्व करने वाले इस रक्तध्वज की उपस्थिति में मैं शपथ लेता हूँ कि मेरी सारी ऊर्जा और मेरी सारी शक्ति हमारे देश के रक्षक एडॉल्फ़ हिटलर को समर्पित है। मैं उनके लिए अपना जीवन देने को इच्छुक और तैयार हूँ। ईश्वर मेरी मदद करे।’



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कब्ज़े वाले यूरोप से अधिकृत पोलैंड में बसाने के लिए
भेजा जा रहा एक शिशु अपनी माँ के साथ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



‘वांछित’ बच्चे जिनकी संख्या
हिटलर बढ़ाना चाहता था

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

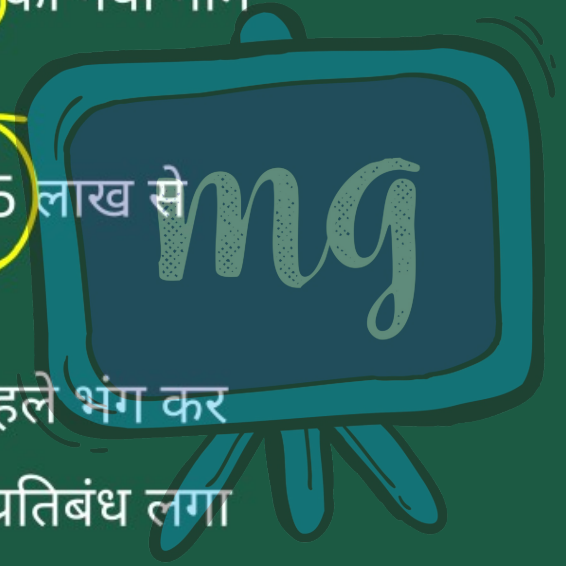


मौत के कारखाने में आते यहूदी बच्चे
जिन्हें गैस से मार दिया जाएगा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नात्सी यूथ लीग का गठन 1922 में हुआ था।
- चार साल बाद उसे हिटलर यूथ का नया नाम दिया गया।
- 1933 तक इस संगठन में 12.5 लाख से ज़्यादा बच्चे थे।
- बाकी सभी युवा संगठनों को पहले भंग कर दिया गया और बाद में उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मातृत्व की नात्सी सोच

- नात्सी जर्मनी में प्रत्येक बच्चे को बार-बार यह बताया जाता था कि औरतें बुनियादी तौर पर मर्दों से भिन्न होती हैं।
- उन्हें समझाया जाता था कि औरत-मर्द के लिए समान अधिकारों का संघर्ष गलत है।
- लड़कों को आक्रामक, मर्दाना और पत्थर दिल होना सिखाया जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

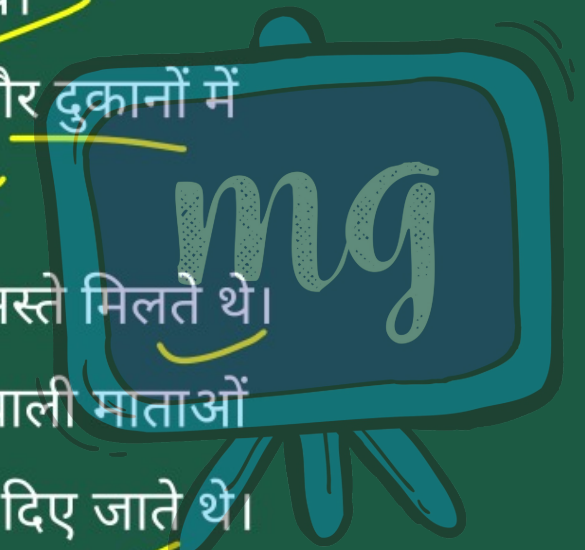
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- लड़कियों का फर्ज़ एक अच्छी माँ बनना और शुद्ध आर्य रक्त वाले बच्चे को जन्म देना था।
- आर्य संस्कृति और नस्ल की ध्वजवाहक वही थीं।
- 1933 में हिटलर ने कहा: 'मेरे राज्य की सबसे महत्वपूर्ण नागरिक माँ है।'
- जो औरतें नस्ली तौर पर अवांछित बच्चों को जन्म देती थी उन्हें दण्डित किया जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- वांछित दिखने वाले बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को इनाम दिए जाते थे।
- ऐसी माताओं को अस्पताल और दुकानों में विशेष छूट मिलती थी।
- थियेटर व रेलगाड़ी के टिकट सस्ते मिलते थे।
- खूब सारे बच्चों को जन्म देने वाली माताओं को सिपाहियों के समान तमगे दिए जाते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- चार बच्चे पैदा करने वाली माँ को काँसे का, छः बच्चे पैदा करने वाली माँ को चाँदी और आठ या उससे ज्यादा बच्चे पैदा करने वाली माँ को सोने का तमगा दिया जाता था।
- इस निर्धारित आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली 'आर्य' औरतों की सार्वजनिक रूप से निंदा और उन्हें कड़ा दण्ड दिया जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- औरतों को गंजा करके, मुँह पर कालिख पोत कर और उनके गले में तख्ती लटका कर पूरे शहर में घुमाया जाता था।
- तख्ती पर लिखा होता था - 'मैंने राष्ट्र के सम्मान को मलिन किया है।'



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रचार की कला

- नात्सी शासन ने भाषा और मीडिया का बड़ी होशियारी से इस्तेमाल किया।
- नात्सियों ने अपने अधिकृत दस्तावेज़ों में 'हत्या' या 'मौत' जैसे शब्दों का कभी इस्तेमाल नहीं किया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- सामूहिक हत्याओं को विशेष व्यवहार, अंतिम समाधान (यहूदियों के संदर्भ में), यूथनेज़िया (विकलांगों के लिए), चयन और संक्रमण-मुक्ति आदि शब्दों से व्यक्त किया जाता था।
- 'इवैक्युएशन' (खाली कराना) का आशय था लोगों को गैस चेंबरों में ले जाना।
- गैस चेंबरों को 'संक्रमण मुक्ति-क्षेत्र' कहा जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नात्सी विचारों को फैलाने के लिए तस्वीरों, फ़िल्मों, रेडियो, पोस्टरों, आकर्षक नारों और इश्तहारी पर्चों का खूब सहारा लिया जाता था।
- पोस्टरों में जर्मनों के दुश्मनों का मजाक उड़ाया जाता था।
- समाजवादियों और उदारवादियों को कमज़ोर और पथभ्रष्ट तत्वों के रूप में प्रस्तुत किया जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उन्हें विदेशी एजेंट कहकर बदनाम किया जाता था।
- प्रचार फिल्मों में यहूदियों के प्रति नफ़रत फैलाने पर बल दिया जाता था।
- 'द एटर्नल ज्यू' (अक्षय यहूदी) इस सूची की सबसे कुख्यात फिल्म थी।
- उन्हें केंचुआ, चूहा और कीड़ा जैसे शब्दों से संबोधित किया जाता था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

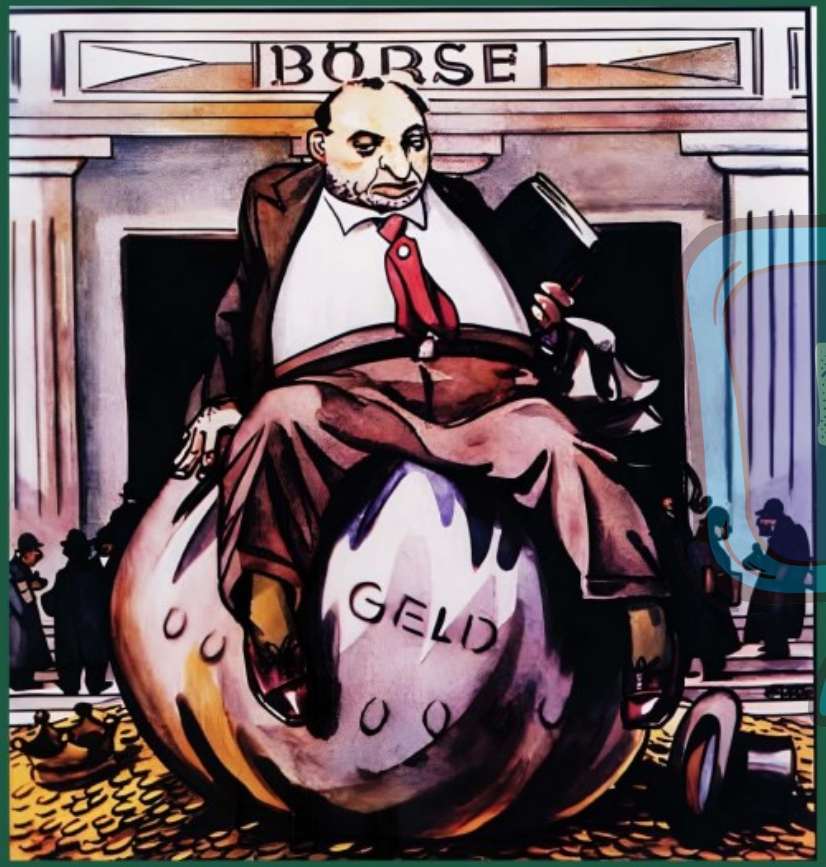
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ उनके चाल-ढाल की तुलना कुतरने वाले छुछुंदरी जीवों से की जाती थी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



यहूदियों पर हमला करता एक नात्सी पोस्टर

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



बीस के दशक का एक नात्सी पार्टी पोस्टर
इसमें हिटलर को अग्रिम मोर्चे पर युद्धरत सिपाही
बताकर उसे वोट देने का आह्वान किया जा रहा है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

जर्मन किसान

तुम सिर्फ़ हिटलर के हो!

क्यों?

आज

जर्मन किसान दो भयानक पाटों के बीच पिस रहा है :

एक खतरा अमेरिकी अर्थव्यवस्था

यानी बड़े पूँजीवाद का है

दूसरा खतरा बोलशेविज़्म की मार्क्सवादी अर्थव्यवस्था का है

बड़ा पूँजीवाद और बोलशेविज़्म, दोनों हाथ मिला कर काम करते हैं :

ये दोनों ही यहूदी विचारों से जन्मे हैं

और विश्व यहूदीवाद की महायोजना को लागू कर रहे हैं।

किसान को इन खतरों से कौन बचा सकता है?

केवल

राष्ट्रीय समाजवाद

1932 में छपे एक *नात्सी* पर्चे से।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कुछ महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

तिथि	घटना
1 अगस्त 1914	पहला विश्वयुद्ध शुरू
9 नवंबर 1918	जर्मनी ने घुटने टेक दिए, युद्ध समाप्त
9 नवंबर 1918	वाइमर गणराज्य की स्थापना का एलान
28 जून 1919	वर्साय की संधि
30 जनवरी 1933	हिटलर जर्मनी का चांसलर बनता है
1 सितंबर 1939	जर्मनी का पोलैंड में घुसना। दूसरे विश्वयुद्ध की शुरूआत।
22 जून 1941	जर्मन सेनाएँ सोवियत संघ में घुसती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कुछ महत्त्वपूर्ण तिथियाँ	
तिथि	घटना
23 जून 1941	यहूदियों का कत्लेआम शुरू
8 दिसंबर 1941	अमेरिका भी दूसरे विश्वयुद्ध में कूद पड़ा।
27 जनवरी 1945	सोवियत फौजें औषवित्स को मुक्त कराती हैं।
8 मई 1945	यूरोप में मित्र राष्ट्रों की विजय

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

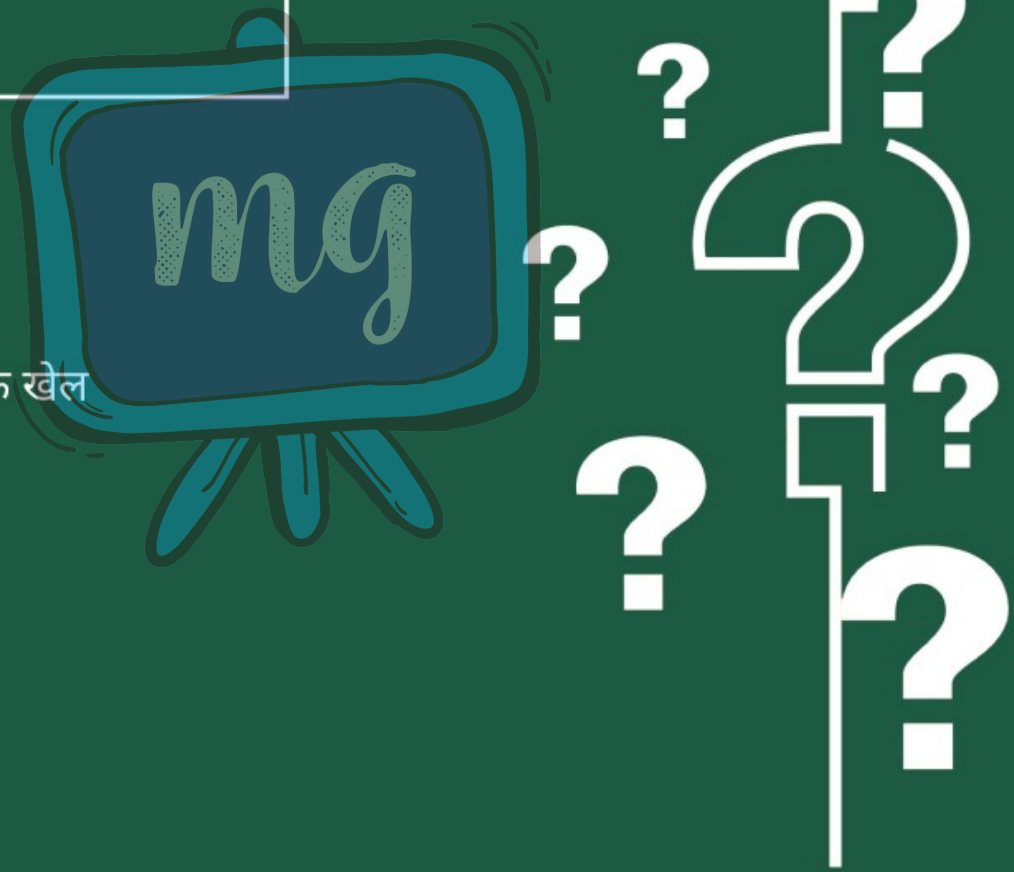
1. युंगफ़ोक
2. हिटलर यूथ
3. नात्सी शासन के दौरान महिलाओं की स्थिति



मूल्यांकन (Assessment)

1 युंगफ़ोक क्या था?

- अ विशिष्ट जर्मन सेवा
- ब एक नात्सी युवा संगठन
- स जर्मन युवाओं द्वारा खेला जाने वाला एक खेल
- द एक जर्मन सांस्कृतिक संगठन



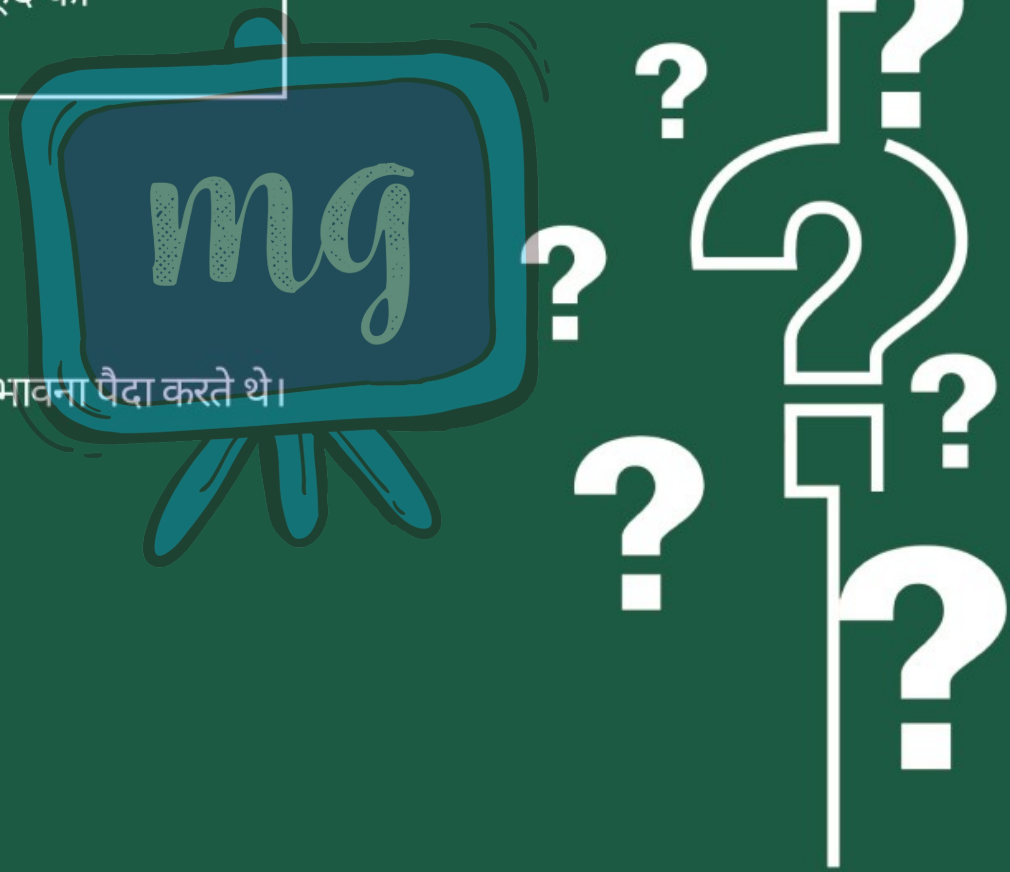
Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 हिटलर ने जर्मन युवाओं के लिए खेल कूद की सिफारिश क्यों की थी?

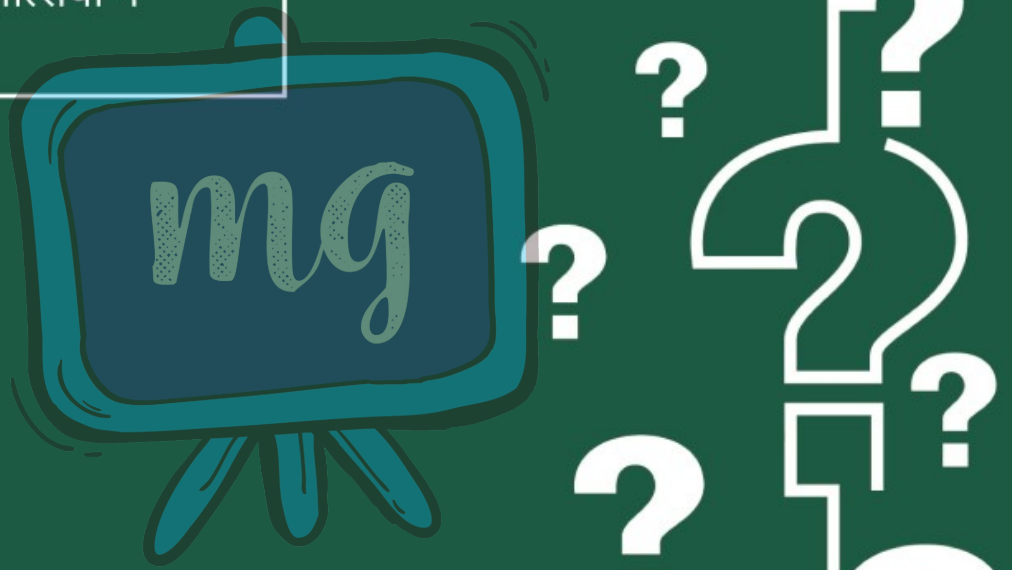
अ	यह राष्ट्रीय भावना को बढ़ाते हैं।
ब	यह युवाओं की सेहत सुधारते हैं।
स	यह युवाओं में हिंसा और आक्रामकता की भावना पैदा करते थे।
द	इनमें से कोई नहीं



मूल्यांकन (Assessment)

3 यहूदियों के प्रति घृणा फैलाने के लिए नात्सियों ने कौनसी फ़िल्म बनवाई थी।

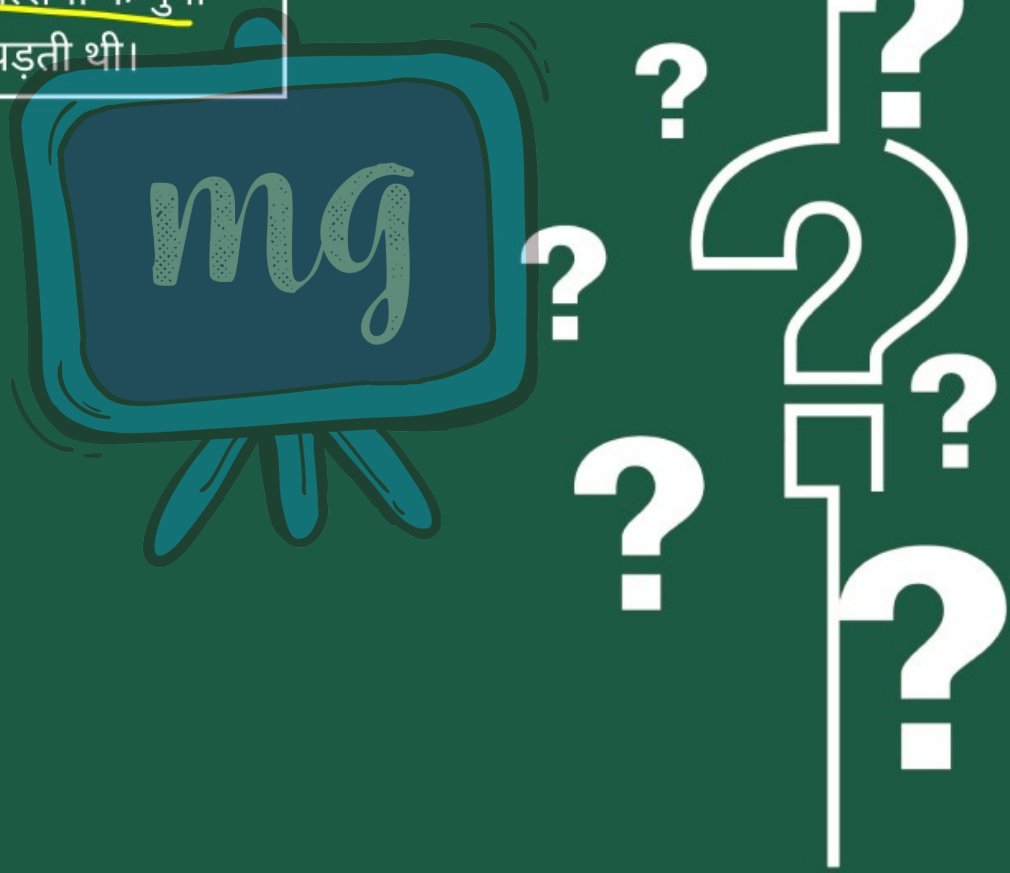
अ	अंतिम समाधान
ब	गुप्त कानून
स ✓	द एटर्नल ज्यू (अक्षय यहूदी)
द	द ईवल ज्यूज



4 | 14 साल की उम्र में सभी लड़कों को नात्सियों के युवा संगठन हिटलर यूथ की सदस्यता लेनी पड़ती थी।

अ ✓ सत्य

ब असत्य



5 | आर्य संस्कृति और नस्ल की ध्वजवाहक..... थी।

